Anand
DATE :
PAGE NO. :

ओडियो, विडियो, रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं :- दिनांक 27/07/2021

ZODM0002 WAY स्थान - उन्डू

ट्रैक समयावधि 01:17:34.

कलाकार का नाम - (अमरे खां) गायन / वादन

पिता का नाम - भीखे खां

पता → गांव पोस्ट उन्डू

सहायक कलाकार

1

2

3

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग का समय

विषय - कथा (उगड़ा भाणेज)

विशेष विवरण —

यह पौराणिक कथा उगड़े भाणेज से सम्बन्धीत है। बात उस समय की है। जब दिल्ली शहर में एक लोहार ढाल और तलवार बनाया करता था। एक दिन गढ़ गिरनार के राजा कवाड़ उस ढाल और तलवार को खरीद कर अपने महल में ले आता है। उनके एक बेटा जिसका नाम जयसिंह होता है और एक उनका भाणेज उगड़ा भी होता है। राजा कवाड़ के द्वारा लाई गई ढाल और तलवार के कारण दोनों में झगड़ा हो जाता है।

तो उस समय उगड़े की मामी उसे भला-बुरा कह देती है। उगड़ा वहां से नराज होकर निकल जाता है और कहता है। मामी आज तो मैं जा रहा हूँ। मगर समय आने पर मैं आपको एक हाथ से ताली बजाकर दिखाऊंगा। उगड़ा तो नराज होकर निकल जाता है। धीरे-धीरे समय बीत रहा था। एक दिन मेगन भाट, नागों की बस्ती से अपना रिश्ता तोड़कर गढ़ गिरनार राजा कवाड़ के दरबार में अपनी हाजरी देता है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

वह इन्द्वी राजा सरवारिये कवाठ से मिलता है। उनसे हाल समाचार पूछता है। और उनकी पाग उनसे मांगता है। तो राजा कवाठ केहता है कि मेरी पाग ईन्द्वी है। ये किसी के सामने नहीं झुकती है। अगर मैंने तुम्हे दे दी तो तुम इसको सम्भाल नहीं सकते तो मेगन भाट केहता है। महाराजा कवाठ मैं आपकी पाग को किसी के आगे झुकने नहीं दूंगा।

राजा कवाठ अपनी ईन्द्वी पाग मेगन भाट को सौंप देता है। मेगन भाट राजा कवाट की ईंद्वी पाग को लेकर सोखंला सरदार के यहां कोयला सिर पाटन चला जाता है। वहा ये राजा अन्नत से दुआ सलाम करता है ईद्वी पाग इनके सर पर होती है। जब ये मुजरा करता है तो पाग सर से ऊपर असमान मे उड़ जाती है। मूजरा पूरा होता है तब पाग अपने आप मेगन भाट के सर मे आ जाती है।

तब अन्नत राजा मेगन भाट से उस पाग का ना झुकने का राज पूछता है। तब मेगन भाट राजा अन्नत से केहता है कि ये कोई मामूली पाग नहीं है। ये ईन्द्वी राजा, राजा कवाठ की पाग है। ये किसी के सामने नहीं झुकती है। तब राजा अन्नत अपने मन में मे ठान लेता है। कि किसी भी हालत मे मुझे राजा कवाठ की पाग को झुकाना है।

तब राजा अन्नत सेठ सुजाणमल मेहता को गढ़ गिरनार भेजता है राजा कवाठ को लाने के लिए सुजाणमल मेहता अपने कुछ साथियों को लेकर गढ़ गिरनार की तरफ रवाना हो जाता है। तो मे कुछ समय बाद सेठ सुजाणमल पहुँच जाता है गढ़ गिरनार वहा पहुंचकर सेठ सुजाणमल राजा कवाठ का पता लगाता है। एक दिन राजा कवाठ और सुजाणमल मेहता की मुलाकात होती है। दोनों आपस में दुआ सलाम करते है।

(3)

DATE :
PAGE NO. :

और आपस में धर्म के भाई बन जाते है। ये दोनों कुछ समय साथ रहते है। और राजा कवाठ को सेठ सुजाणमल पर विश्वास हो जाता है। तो ये दोनों आपस में मदीरापान साथ में करते है। सेठ सुजाणमल कैसे भी करके राजा कवाठ को अपने साथ कोयला सिर पाटन ले जाना चाहता है। एक दिन सुजाणमल मेहता राजा कवाठ को दारू पाकर धोके से अपने साथ ले जाता है।

जब राजा कवाठ की आंख खुलती है तब उसे पता चलता है। कि सेठ सुजाणमल ने उनके साथ धोका किया है। पर राजा कवाठ केहता है। कि सेठ तुमने मेरे साथ धोका किया है पर किया तो किया। अगर मुझे पेहले पता होता तो मैं तुम्हारा सर कलम कर देता पर अब मेरी तलवार गढ़ गिरनार में रह गयी है। सेठ सुजाणमल राजा कवाठ को सिद्ध राजा सोलंकी के दरबार में पेश करता है।

तब अनन्त राजा, राजा कवाठ को अपनी बेटी के साथ विवाह का प्रस्ताव देता है। यह सोचकर की जब ये मुजरा करेगा तो इनकी पाग झुक जायेगी। राजा अनन्त ने अपने प्लान के मुताबिक एक महल का निर्माण करता है। उसके सारे दरवाजे बन्द कर देता है। सिर्फ खिड़की खुली रखता है। के जब राजा कवाठ अन्दर आयेगें तब नीचे झुकेगें तब उनकी पाग झुक जायेगी और हमारी बात रह जायेगी।

लेकिन राजा कवाठ को भी मुजरा कहा मन्जूर था। वो जब खिड़की के पास आता है। तो झुकने के बजाय अपने पैरों को पहले खिड़की मे रखता है इससे राजा अनन्त और उनके दरबार में बैठे लोगों का अपमान हो जाता है। तब राजा अंनत को कैद मे डाल दिया जाता है। उधर गढ़गिरनार में राजा कवाठ की पत्नी बहुत परेशान हो जाती है।

और उगड़े को पत्र लिखती है। तब उगड़ा अपनी मामी के पास आ जाता है। और पूछता है, मामी मेरे जाने के बाद यहा कोई आया था, तो वह केहती है कि मेगन भाट यहा आया था। तब उगड़ा मामी से केहता है आप जितना जल्दी हो सके मेगन को बुलाओ। तो मामी उसी समय मेगन को पत्र भेजती है। और मेगन वहा पहुंच जाता है तो उगड़ा उसे राजा कवाट का पता लगाने भेजता है।

मेगन कुछ समय बाद भगवा वेश करके कोमला सिर पाटन पहुंच जाता है। और सबसे पहले वह अमीमों के घर जाता है। वहा जाकर राजा कवाठ की जानकारी प्राप्त करता है। तब अमीयो उसे बताती है कि राजा कवाट को तल भवरे मे कैद किया गया है। और उस के ऊपर खिले लगाये हुए है।

पानी भरकर जाने वाली सारी औरते उस के सर के खिले पर अपना पाव मारती है। लेकिन मैं वहा से थोड़ा हटकर चलती हूँ आज जब मैं वहा जाऊंगी तब आप भी वहा आ जाना और जब सारे चौकीदार खाना खाने जाए तब आप राजा कवाठ से बात कर लेना। ये अपना झोली डंडा लेकर वहां पहुंच जाता है। और जब सारे चौकीदार खाना खाने जाते है, तब यह राजा कवाठ से बात करता है।

तब राजा कवाठ मेगन से केहता है की मेगन तुम जाके मेरे भाणेज उगड़े से कहो की उनके मामे को उनकी जरूरत है। मेगन वहा से रवाना हो जाता है। और उगड़े जी के पास जाता है और उसे सारी बात बताता है। तब उगड़ा अपनी सारी फौज लेकर कोमला सिर पाटन के लिए रवाना हो जाता है। रास्ते मे उगड़ा अपने ससुराल मे एक रात रुकता है।

(5)

DATE :
PAGE NO. :

तब उनकी पत्नी उनसे केहती है। कि आप इतने सारे आदमियों को ले जाकर क्या करोगे। जो वीर है उन्हें ही आप अपने साथ ले जाओ। और आ हा कोयला सिर पाटन में अन से मेहगा घास है। आप अपने साथ घास लेकर जाना। ताकि आपको अन्दर प्रवेश करने मेंकाई बाधा उत्पन्न न हो। उगड़ा जी अपनी फोज को बैलो पर बिठाकर ऊपर घास रख देता है।

और उगड़ा अपने सिपाहियो से केहता है की जब मै तीन ताली लगाऊ तब आप सब तैयार रहना। कुछ समय बाद में पाटन पहुचते है। वहां राजा अन्नत के सिपाही इनके सामने आते है। और पुछते है कि भाई आप कौन हो और क्या लाये हो। तब उगड़ा जी केहता है कि हम व्यापारी है और घास ले कर आये है।

तब राजा अन्नत अपने सिपाहियों को हुकम देता है। की इनको अन्दर आने दियो जामे हम ये सारा घास खरीदेंगे, उगड़े ने पहले से ही अपने सिपाहियों को बोल रखा था की जैसे ही मैं तीन ताली बजाऊं आप तैयार रहना। घास से भरे सारे बैल महल में प्रवेश करते है। जैसे ही सारे बैल अन्दर पहुंचते है उगड़ा जी ताली मरते है। तो सारे सिपाही राजा अन्नत के सिपाहियों पर टूट पड़ते है।

और एक घमाशान युद्ध हो जाता है। युद्ध में उगड़ा जी विजय होता है और अपने मामा राजा कवाट को रिहा करवाता है। राजा अन्नत और सेठ सुजानमल को अपने घोड़े के पीछे गसीड़ता है। तब राजा अन्नत उसे अपने पिता श्री की कसम दिलाता है इस प्रकार उगड़ा अपनी बहादुरी के दम पर राजा कवाट को ~~ह~~ रिहा करवाने मे कामियाब होता है। और राजा कवाट फिर से गढ़ गिरनार का राज्य भार सम्भालता है।